

**घाव** पुं. (तद्.) शरीर पर का वह स्थान जो कट या चिर गया हो, क्षत, जख्म, चोट 2. आघात, प्रहार।

**घावरिया** पुं. (देश.) घावों की चिकित्सा करने वाला, सतिया, जर्हाह।

**घास** पुं. (तत्.) अहार, खाद्य पदार्थ 2. चारा, तृण स्त्री. (तत्.) पृथ्वी पर उगनेवाले छोटे-छोटे उद्भिद जिन्हें चौपाए चरते हैं, तृण, चारा यौ. घास-पात-तृण और वनस्पति 2. खर पतवार, कूड़ा कर्कट, बेकार की चीज़ मुहा. घास काटना या खोदना- तुच्छ काम करना, व्यर्थ काम करना, किसी काम को लापरवाही से करना।

**घासि** स्त्री. (तत्.) 1. अग्नि, घास।

**घासियारिन** स्त्री. (देश.) घास बेचने वाली।

**घासी** स्त्री. (देश.) घास, चारा, तृण।

**घिऔड़ा** पुं. (देश.) घी रखने का मिट्टी का बर्तन, घृत पात्र, अमृतबान।

**घिग्गी** स्त्री. (अनु.) 1. सांस लेने में वह रुकावट जो रोते-रोते पड़ने लगती है, हिचकी, सुबकी 2. डर के मारे मुँह से स्पष्ट शब्द न निकलना, बोलने में रुकावट, जो भय के मारे पड़ती है।

**घिघियाना** अ.क्रि. (देश.) रो-रो कर विनती करना, करुण स्वर से विनती करना, गिड़गिड़ाना।

**घिचपिच** पुं. (तद्.) 1. स्थान की संकीर्णता, जगह की तंगी, संकरापन 2. थोड़े समय में बहुत से व्यक्तियों या वस्तुओं का समूह 3. किसी काम को करने के समय आगा पीछा करना, जो साफ न हो, अस्पष्ट प्रयो. आपका लेख बड़ा घिचपिच है पढ़ा ही नहीं जाता।

**घिड** पुं. (देश.) दे. घी।

**घिन** स्त्री. (तद्.) चित्त की वह खिन्नता जो किसी बुरी या कुत्सित वस्तु को देखकर या सुनकर उत्पन्न होती है।

**घिनाना** पुं. (देश.) नफ़रत करना, घृणा करना।

**घिनावना** पुं. (देश.) जिसे देखकर घिन लगे, घृणित, बुरा, गंदा, घिनौना।

**घिनौना** पुं. (देश.) दे. घिनावना।

**घिया** पुं. (देश.) 1. एक प्रकार की बेल जिसके फलों की तरकारी होती है 2. घियातूरी 3. नेनुँवा।

**घियाकश** पुं. (देश.+फा) चौकी के आकार की एक वस्तु जिस पर उभरे हुए छेद होते हैं और जो घिया, कद्दू और पेठे आदि को बारीक करने के काम आते हैं, कद्दूकश।

**घियातूरी** पुं. (देश.) दे. घियातूरी।

**घिरत** पुं. (तद्.) दे. घृत।

**घिरना** पुं. (तद्.) किसी वस्तु के चारों ओर व्यास होना, आवृत्त होना, घेरे में आना टि. घटा घिरना- इस शब्द का प्रयोग मुख्यतः घटा और बादल के साथ होता है।

**घिरनी** स्त्री. (तद्.) 1. चरखी 2. चक्कर, फेरा 3. लोटन कबूतर 4. रस्सी बटने की चरखी 5. एक जलपक्षी जो जल के ऊपर फड़फड़ाता रहता है और मछली देखते ही चट से उस पर टूट पड़ता है।

**घिरवाना** पुं. (देश.) 1. किसी से घेरने का काम करवाना 2. एक जगह इकट्ठा करवाना।

**घिराई** स्त्री. (देश.) 1. घेरने की क्रिया या भाव 2. पशुओं को चराने का काम 3. पशुओं को चराने की मजदूरी।

**घिरायंद** पुं. (देश.) मूत्र की दुर्गंध।

**घिराव** पुं. (देश.) 1. घेरने की क्रिया या भाव 2. घेरा 3. किसी मिल आदि पर सार्वजनिक या सरकारी अधिकार या नियंत्रण करने के लिए छोटे कर्मचारियों और मजदूर वर्ग द्वारा घेरा डालने का आंदोलन, घेराव।

**घिरिया** स्त्री. (देश.) मनुष्यों का घेरा जो शिकार को घेरने के लिए बनाया जाता है।

**घिरौरा** पुं. (देश.) घूस का बिल।

**घिरी** स्त्री. (देश.) दे. घिरनी, एक प्रकार की घास।

**घिसकना** पुं. (देश.) दे. खसकना।

**घिसटना** पुं. (देश.) दे. घसटना।